सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या– 378
17/04/2026

देश के बड़े बीज उत्पादक संस्थान अब बिहार में ही करेंगे सब्जी बीज एवं पौध उत्पादन

"बिहार में उद्यानिकी रोपण-सामग्री उत्पादन हेतु PPP मॉडल" विषय पर एक बैठक आयोजित

पटना दिनांक 17.04.2026:– कृषि भवन, मीठापुर, पटना के ऑडिटोरियम में प्रधान सचिव, कृषि विभाग, बिहार श्री नर्मदेश्वर लाल की अध्यक्षता में उद्यान निदेशालय, कृषि विभाग, बिहार द्वारा "बिहार में उद्यानिकी रोपण-सामग्री उत्पादन हेतु PPP मॉडल" विषय पर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न स्तरों के हितधारकों, विभागीय पदाधिकारियों, राज्य स्थित कृषि विश्वविद्यालयों एवं भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित बीज उत्पादक संस्थानों, एफपीओ, नर्सरी संचालकों ने भाग लिया।

प्रधान सचिव, कृषि विभाग, बिहार श्री नर्मदेश्वर लाल ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज एवं रोपण सामग्री की समय पर उपलब्धता ही फल, सब्जी, मसाला एवं अन्य उद्यानिकी फसलों की उत्पादकता, गुणवत्ता, किसानों की आय वृद्धि और राज्य की उद्यानिकी प्रगति की आधारशिला है। वर्तमान में गुणवत्तापूर्ण सामग्री की कमी, बाहरी राज्यों पर निर्भरता, मूल्य और स्थिरता तथा टेªसिब्लीटी के आभाव जैसी चुनौतियाँ किसानों की लागत बढ़ाती है और उत्पादन क्षमता को सीमित करती है।

उन्होंने कहा कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण बीज एवं रोपण-सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु एक सुदृढ़, पारदर्शी एवं टिकाऊ उत्पादन प्रणाली विकसित किया जाये। बिहार को अब केवल उपभोक्ता राज्य नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण उद्यानिकी बीज एवं रोपण सामग्री के उत्पादक राज्य के रूप में विकसित किया जाये।

विशेष सचिव, कृषि विभाग, बिहार श्री बीरेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि बैठक में प्राप्त सुझावों को संकलित कर राज्य के लिए एक व्यावहारिक एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिससे बिहार में सब्जी, मसाला एवं अन्य उद्यानिकी फसलों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण-सामग्री की आत्मनिर्भर आपूर्ति प्रणाली स्थापित की जा सके।

श्री अभिषेक कुमार, निदेशक उद्यान, बिहार ने बताया कि बिहार में उद्यानिकी रोपण सामग्री का 80 प्रतिशत से ज्यादा बिहार के बाहर के राज्यों से आपूर्ति करायी जाती है। फलस्वरूप परिवहन भाड़ा के साथ रोपण सामग्रियाँ कृषक तक उच्च मूल्य पर प्राप्त हो पाती है। कृषि विभाग के अन्तर्गत 300 से ज्यादा नर्सरियाँ एवं 60 से ज्यादा कृषि फार्म आधारभूत संरचना के साथ सुदृढ़ किया गया है, जहाँ PPP मॉडल आधारित सब्जी बीज एवं रोपण सामग्री का उत्पादन किया जा सकता है।

चर्चा के दौरान PPP आधारित “हब-एंड-स्पोक” मॉडल, स्थानीय नर्सरियों के उन्नयन, बीज ग्राम अवधारणा, गुणवत्ता मानकों के अनुपालन, तथा डिजिटल ट्रैकिंग एवं पारदर्शिता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत सुझाव प्राप्त हुए। साथ ही, किसानों के हितों की सुरक्षा, समयबद्ध आपूर्ति एवं गुणवत्ता आश्वासन को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी।

इस अवसर पर कृषि निदेशक, बिहार श्री सौरभ सुमन यादव, प्रबन्ध निदेशक, बिहार राज्य बीज निगम, श्री स्पर्श गुप्ता, निदेशक बसोका, श्री संतोष कुमार उत्तम, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधि, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, डॉ आरपीसीएयू, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के वैज्ञानिक एवं अन्य विभागीय वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।